

चार आध्यात्मिक नियम क्या हैं?

शुभ सन्देश

चार आध्यात्मिक नियम उद्धार के शुभ सन्देश को जो यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा उपलब्ध है, को सुनाने का एक तरीका है। यह सुसमाचार में महत्वपूर्ण जानकारियों को चार बिंदुओं में आयोजित करने का एक सरल तरीका है।

चार आध्यात्मिक नियमों में से पहला, "परमेश्वर आपसे प्रेम करता है और उसके पास आपके जीवन के लिये एक अद्भुत योजना है।" यूहन्ना 3:16 हमें बताता है कि, "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।" यूहन्ना 10:10 हमें यीशु के आने के कारण को देता है, "मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएँ और बहुतायत से पाएँ।" हमें परमेश्वर के प्रेम से कौन सी बात रोक रही है? कौन सी वस्तु हमें बहुतायत के जीवन को पाने से दूर रख रही है?

चार आध्यात्मिक नियमों में से दूसरा, "मनुष्य पाप के कारण दोषी है इसलिए परमेश्वर से अलग है। परिणामस्वरूप, हम अपने जीवन के लिए परमेश्वर की अद्भुत योजना को नहीं समझ सकते हैं।" रोमियों 3:23 इस जानकारी की पुष्टि करता है, "इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।" रोमियों 6:23 हमें पाप के परिणाम को बताता है, "पाप की मज़दूरी तो मृत्यु है।" परमेश्वर ने हमारी रचना उसके साथ सहभागिता रखने

के लिए की है। परन्तु, मनुष्य इस संसार में पाप को ले आया, और इसलिए वह परमेश्वर से अलग है। हमने उसके साथ उस सम्बन्ध को बिगाड़ लिया जिसकी परमेश्वर ने हमसे रखने की अपेक्षा की थी। इसका समाधान क्या है?

चार आध्यात्मिक नियमों में तीसरा, "यीशु मसीह ही हमारे पाप के लिए परमेश्वर की ओर से एकमात्र प्रबन्ध है। यीशु मसीह के द्वारा, हम अपने पापों की क्षमा प्राप्त कर सकते हैं और परमेश्वर के साथ ठीक सम्बन्ध पुनः स्थापित कर सकते हैं।" (रोमियों 5:8) हमें बताता है कि, "परन्तु परमेश्वर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।" (1कुरिन्थियों 15:3-4) हमें बचाए जाने के लिए क्या जानने और विश्वास करने की आवश्यकता को सूचित करता है, "...कि पवित्र शास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मर गया। और गाड़ा गया और पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा..." यीशु स्वयं यह उदघोषणा करता है कि वह ही उद्धार के लिए यूहन्ना 14:6 में एकमात्र मार्ग है, "मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ, बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।" मैं कैसे उद्धार के इस अद्भुत उपहार को प्राप्त कर सकता हूँ?

चार आध्यात्मिक नियमों में चौथा, "उद्धार के उपहार को प्राप्त करने के लिए हमें हमारे विश्वास को यीशु मसीह में उसे अपना उद्धारकर्ता मानते हुए रखना चाहिए और अपने जीवनों के लिए परमेश्वर की अद्भुत योजना को जानना चाहिए।" यूहन्ना 1:12 इसे हमारे लिए ऐसे वर्णन करती है, "परन्तु जितनों ने

उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर संतान होने का अधिकार दिया" प्रेरितों के काम 16:31 स्पष्ट रूप से यह कहती है कि, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा!" हम केवल अनुग्रह से, एकमात्र यीशु मसीह में ही, विश्वास करने के द्वारा बचाए जा सकते हैं (इफिसियों 2:8-9)।

यदि आप उद्धारकर्ता के रूप में यीशु मसीह में विश्वास करना चाहते हैं, तो निम्नलिखित शब्दों को परमेश्वर से कहें। इन शब्दों के कहने मात्र से आपका उद्धार नहीं हो सकता है, केवल यीशु में विश्वास ही है जो आपको पापों से बचा सकता है। यह प्रार्थना उसमें अपने विश्वास को व्यक्त करने और आपके लिए उद्धार का प्रबन्ध करने के लिए धन्यवाद देने का एक तरीका मात्र है। "हे, परमेश्वर, मैं जानता हूँ कि मैंने आप के विरुद्ध पाप किया है, और मैं सजा का पात्र हूँ। परन्तु यीशु मसीह ने उस सजा को स्वयं पर ले लिया जिसके योग्य मैं था ताकि उसमें विश्वास करने के द्वारा मैं क्षमा किया जा सकूँ। मैं उद्धार के लिए आपमें अपने विश्वास को रखता हूँ। आपके अद्भुत अनुग्रह तथा क्षमा – जो अनन्त जीवन का उपहार है, के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ! आमीन।"

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-four-laws.htm>
| | English: <https://www.gotquestions.org/four-spiritual-laws.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org